

DPN 6321

Title : ^५ ~~स्ये~~ सफू

ME SAPHU

Run. No. 7012

Cat. No.

Micro. No.

Subject ^५ / ~~स्ये~~

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 45 X 18

Folios 11

Lines (in a page) 30

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

डा. जनकलाल वैद्य
Dr. Janak Lal Vaidya.

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / Nepali

Raw and thin.
सादुगु कति नेपाली हो

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

વિષ્ણુ (કૃષ્ણ) નું નામ -

- ✓ ॥ રાગ દીપંજી ॥ પદમગે દુ(કુ)મળા લિ,ધી.દીધી ગનભારતે ..
- ✓ દેવદેવીના પાપપાપમાત્ર સ્તુતિ મં
- ✓ આદિ દુમળ માય
- ✓ ભલિત રતન દિગ્ મનુકેશ જીતવલ ..
- ✓ હે જહના દા (સા)ગ
- ✓ કૌત અપાદિ મેલ ...
- ✓ મૌલનાદ હિની
- ✓ હાલે કુમા વૈષ્ણુ હદા હપ
- ✓ કાકો (જા) શ્રી મીનસેન
- ✓ હાલે મનોભાલ યાય જીન દાકુની (સા(વતી) માયુ

...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
मैत्रेय उवाच ॥ तदा सा विदुः
ततः पुराणं श्रुत्वा ॥

म. सं. ११९३ दि. १० ७

रस्यति त्वहंगलं दायनीपवलिरप्रीतवत्त
॥ ३ ॥ मतीतिगमाहा न किमिबुधवत्त
कात्रिका जथयमातात्रायतश्च ॥ ४ ॥ मध
गगतस्यतिः तव गरीमयनः तं कवतम
हादवत्त ॥ ५ ॥ अतिवहीलिवधीगता किं
इवाहा किं गिरुदताया यदतनयाय ॥ रुयवा
या रयीतव जदवतमहादवः ॥ वंगरया ना
संयनत्त ॥ ६ ॥ ॥ वंगरयाः मंदलवत्त हा
गवानं स्यगवाहागम कगीतः हा नी ती दतता
नयाय ॥ ७ ॥ ॥ वयं वरगवतः वगदतायुतवा
यः पुनदतनयाय ॥ अजीनीयुतगम ॥ तीय
नः तागयुतगनयायः ॥ मतिपुनदतनया
य ॥ ८ ॥ विधीतिमामि दायनीदविः गीगरे
रगवान्यात्त ॥ थवहीलिवधीगताः पकतागन
स्यतिः कगीत थगवतत्त ॥ ९ ॥ ॥ वंगरया
॥ वंगरयामंदलवत्त हा लवागविद्विदवि रमाहमत्रा
गतिदतन ॥ पलांथगरेगवानर ॥ थगवाहागम
कगीतः हातिथदतनयाहाया ॥ १० ॥ ॥ वयं व
रगवानः वगदतायुतवायु रपलांदतदतनया
हाया ॥ अजीयुतगमतिपुन रनागयुतगमः ॥ मति
पुनदतनयाहाया ॥ ११ ॥ विद्याधीतिमहामायिः ॥
दायनिदीविरगत रगवान्यात्त ॥ थवहीलिव
धीगत्वारपकतागनस्यतिः कगीत थगवत
त्त ॥ १२ ॥ ॥ पुनया चंडमाः गीगु र्दवतात्र रनाग
हीतिनातायनश्च ॥ नंगमलगमहादवरनंगम
लवानाहीः ॥ थगवागवक्रायनित्त ॥ १३ ॥ ॥ वावहीलि
गनस्यतिः ॥ अजवत्त रगवानर ॥ मतिथ रगवा
न्मत्त ॥ रुयराग्यगीतदतगं हत ॥ मतिथ
रगवानर वागमतिस्नानयायः ॥ रुगंधातदतनया
हाया ॥ १४ ॥ ॥ गीगु र्दवतीमहामायिः पश्यतीमहादवर

रम्यगतिदत्तगानयाया ॥ कुतिवाहालमहादेवरका ॥
 गवालकुमारीतः रंगालिङ्गीधीतद्विमिथग ॥ ११ ॥ गत्य
 स्वतमहादेवः लषुवागनानयाय रंगीगुर्विनायकथग
 ॥ इलंन्यामाङ्गीगमारपतमपानिलोक्कवतः लङान्य
 स्वतमहादेवथग ॥ १२ ॥ मीतिकागलियनवः ध्वजव
 त्परावातरथरुगमहातीक्ष्मीथग ॥ १३ ॥ यललङा
 ताञ्जयाधीनरङ्गाङ्गीगुमहाताजः प्रजापतिपालया
 यमाल ॥ १३ ॥ ॥ तागादीपंषा ॥ यथमगम्रमपाः लि
 धीगधीगनस्यातीः गतगतिविशवतदानः था न्याकार्य
 गिधयरवनजनजीयकङ्गाः थडादागिलालयाङ्गविङ्गा ॥ १४ ॥
 वंस्यानातायनरुः हालवागलियनवरथग्रदङ्गाय
 न्यरमीथगः स्वयंरमुद्रुतिरुपरिविज्ञान्याङ्गावान्याथ
 गः ॥ गमंराङ्गीनदतगंनर ॥ २ ॥ गकादङ्गाः हतषर
 मीः षङ्गीगिनीविज्ञाकथगः ॥ जनराग्यगधनिदतग
 नः चरदङ्गाभाङ्गलमिः नातायनरुविषाकथगः
 यतामाङ्गुदतगानयाय ॥ ३ ॥ किलङ्गवतदतगानयानाः
 विगिङ्गुङ्गान्यगवङ्गाः ॥ जनरुगमनातायनरुथगः ॥ ३
 ताङ्गावर्जवाताहीः विज्ञान्याङ्गावानथगः ॥ जनरुगवनि
 दतगानयाय ॥ ४ ॥ ॥ द्वीपदङ्गायन्यरमिः नातायनरु
 विज्ञाकथगः ॥ जनवर्जराङ्गीनिदतगानः ॥ गवपाल्यग
 तमहादेवरसंगमलयाजधीपधीः दक्षिकानिदतग
 नयाय ॥ ५ ॥ ॥ न्यपालरपालपतीः गवनिडीवक्रम
 गहः प्रजापतिपालयायमालः थडादागिलालयाङ्गा
 विज्ञान्यानातायनरुः याङ्गन्यगनिवडधन ॥ ६ ॥ ॥



रमागवतथ ॥ ५ ॥ ॥ लावतकिव्यलः न्याय
 रमागवत ॥ तामतथावागवतः मिषागवत

२ नाग उवतथ ॥ ५ ॥ ^{सी}लि वत कि व्यलः वाय
 इत उंधन ॥ वामन थवा उवनः मिषा शा उ
 गवल ॥ गनयति दश रजल व्य उव डा उडा दाल
 ॥ १ ॥ अ स था ग ना गति गमः वं गवल ड गम
 ॥ पानिन मां चि ज्ञा सा ग गम रति या न गम ॥ २ ॥
 गन प्रा नाय क धलः पूजा क्ता पा काल ॥ विघ्न
 न विपतीः इल विल गि धा रुल ॥ ३ ॥ यं वतंग
 इ ड मल रलः न्य पाल गं वत गने ॥ कन ज्ञानि
 वानं वानंः वि उव द र्प काल ॥ ४ ॥

२ नाग उविल गति ॥ ५ ॥ आदि उरु द्म नं
 न यायः श्री उव य द र ग वान ॥ ज्ञा ती न व नं
 वि आर्कः लप य या द थ ग ॥ १ ॥ य य ग कि
 पा उ द ~~इ~~ थ नः ज न ल प श या डा ॥ वि क क
 ग र उ व गिः द न ग न माय ॥ २ ॥ आ दी वृ ध ग
 यं व याः आ दी पृ त्र ध ल ॥ अ ना थ नाः क या
 ना थ गी ला क ना थ ॥ ३ ॥ व क्रा वि पू क्रा य ग नः
 ज नं गृ ती घा त ॥ डा ग मि आ र ति उ व ल नंः वं
 ड ग र्प व ल ॥ ४ ॥ उ ड आ दीः ना क पालः
 धि मि ग प्या ल व ल ॥ दं त या र ~~व~~ दं त य र ड ल
 ग न ग र ति मा इ ॥ ५ ॥ ष डा या लि प य उ व नः न की
 मि धि हा डा न ॥ द व ग न श्री श्री या नाः ला क उ व
 न थ ल ॥ ६ ॥ ध न्य र य म या नीः क र ना म
 य ष डा ॥ ज नं की नं ना म का उ य म्म वा या य उ
 डा ॥ ७ ॥ न्य पाल या क उ व य ती गी ना श्र ड
 ग म ह व ॥ प्र ज्ञा य ती या न या नाः धि लं डी वि इ
 य मा ॥ ८ ॥ ह रि ना यी हा य की ह ले ग कि व द न त य ह नः प ल
 हा धि ना य का क ताः लो ह्य ता व ल थ्याः इ त ही द ग म् क नि कु ना डी ल
 पि ॥ ह लाल हाः आ हा आ हाः शी व की र ल्या डः आ लि डी व य क
 ल्या वी याः उ व जी ह य क ल वी न या व ज्ञा न का हा ग या म्म न लाल ॥
 श्री श्री त हा ~~व~~ का का हा थाला म वा थि हा ता निः शि क्री धि चि य वा ~~नि~~ श
 आ याः न य कृ ती ता य ता का ना मी व ली कृ त का मी ति हा य ॥

२ नाग उविल गति

आ दी वृ ध ग

१३ ॥ ३ ॥
 १ गगनलाली ॥ तालयकताल ॥ लोलतनन
 गिनः सत्कठाजीनवलः लायकतलडमन
 माला ॥ जूनतननधालः मिषापथफलः क
 र्णकनककंदल ॥ १ ॥ पापतावरः वरुनडा
 सलालः गलगायथाठरामाल ॥ तदिवगमिमं
 दलः कचशगताकपूलः हीदयसद्वलयामं
 दल ॥ २ ॥ दहीनवलधकलः वामकमलध
 वलः मयनमनिकरलील ॥ वक्राहमिमं यत
 गवठलयासिलः कुनपायाचननमशल ॥ ३ ॥
 मन्त्रशूलमशलः थिलमइथगालिलः न
 तकठाशुजाजीमयलः क्राकक्रयातथलः
 तावचसलनरुमलः शगरइलजीगतन ॥ ४ ॥

२ गगलयात्रि ॥ इती ॥ हकदनाठमगतः ताकनः
 कतपात्रमिगलन ॥ कालं वक्रावूलनः वक्राह
 वनगतलः शीघ्रीकताः वक्रायाधलन ॥ १ ॥
 नृगलं ज्ञातशुद्धाश्रितः क्षिपिकठाविषुधालः
 संभलगाडनंताकपूलन ॥ गिलनं वलः मलान
 डमहं वतः यशस्वितधकामानकालन ॥ २ ॥ न
 यनं ज्ञातशुद्धाश्रितः वंदसूर्यहीरहीलाः मन्त्रयथा
 दीनतात्रिगिलन ॥ वंगयानिज्ञातनः विज्ञाकसं
 तगतिः शमक्रयाज्धीयतीशलन ॥ ३ ॥ मूव
 नं पिहडालमात्रतवायुदवः श्रुगताशलया
 नित ॥ नारीतनागजाः वरुननामदनः लंघया
 षमिडातयातन ॥ ४ ॥ जडाग्रुक्षियालिनः कू
 थलधनपतिः जलंकापूतशुद्धशलन ॥ इवडाग्र
 क्षियालिनः विषुयातीतिशलकीमिः धंकमान
 कालन ॥ ५ ॥ कृतिगधनमूवः जमनगानस
 वः तामविवननज्ञातशलन ॥ त्रिदगाववनयाग
 कलपनियानाथशुद्धाडाज्जाथया ॥ ६ ॥ मही
 मज्जनंतयाः पात्रयायगनः दालिकुमिलथुडा
 शेषन ॥ पायाग्रुकुयधालः पंचगूरुगदकालः न
 तपतिग्रीताश्रुधाल ॥ ७ ॥

७ ललितवाहिह ॥ कानिअपनाधप्रता
 कायशुभचालिजाः मतकविमतारशान

७ ललिवाहिह ॥ कनिजयनाधमना
 कालकागजाहियः सतकुनिमनोरधात
 समजिपयनाहिय ॥ ३ ॥ समहिर
 मायिमापः समहिरदहिय ॥ ४ ॥ सक
 सलिलमिगुगत्रुदयकातेनागवाहिय
 ॥ ५ ॥ समहिरगत्रुदमिगः समहिरुदुद
 लाहिय ॥ कातेनागमिगत्रुताप्रकमय
 यथाहिय ॥ ६ ॥ हितयितयकमनः सत्रिथि
 ज्ञाताहिय ॥ कृष्णमननंदरह्योऽम
 पालसाथमहिय ॥ ७ ॥

रतागमागसि ॥ रेतवानंदरपीनीः सिध्वीनी
 व्याधीनीगीरगावतीमाहः रतयतलउंधि
 निदविः रेतवानंदरपीनी ॥ हादकडाया
 दायावागः विशाकसिमाकागः गीनीगन
 मनाकाडाते ॥ व्याधनहलजनरेतवमही
 तनंजनगवाजनंथायकादविः रेतवानंद
 रपीनी ॥ १ ॥ हादलालमनीकमयाः वदन
 धेगलियाकडासकंदलमनीया ॥ कायहाल
 नातिथननरुगलिनवधयः गलगासिलमा
 लकावाह्यदविः रेतवानंदरपीनी ॥ २ ॥ हा
 दमददुनूनः गावदहृदुनूनतायाडादेत्यु
 नग्याक ॥ कीलयोगवदनः थायाडातिरवन
 डन्याडादेत्युलग्याकदविः रेतवानंदरपी
 नी ॥ ३ ॥ हादः रगतजनेगतीः नामकीरगावती
 तनगात्रयजीतयाहृन्यं ॥ नामकीरगातयाः जी
 पतिवालषयाः पुवालीरुलंथाविहृनिदवि
 रेतवानंदरपीनी ॥ ४ ॥



२ गावः ॥ हाद वृक्षा विष्णु रथ रूप पुल्ल
कनाथः ॥ हाद वृक्षमंशः दंष्ट्रा दंष्ट्रानां विष्णु
॥ कमिना रसितं तं ॥ जती वृक्षमानं ॥ हाद वृ
क्षा ॥ १ ॥ यथा धी यथा धल जाल रत्न मूला ॥ य
था निष्पद्यल जाल ॥ यथा लया वानन ॥ हाद वृक्षा ॥ २ ॥
हाद वृक्षा कर्कश कर्कशानि वा शंखालः रत्न वया वान ॥ ३ ॥
वृक्षमा विमानन ॥ पुल विष्णु नाडा ॥ हाद वृक्षा ॥ ३ ॥
हाद वृक्षा जंजालया वृक्षमानं शानां ॥ ४ ॥ यनी थम
श्लथमानं ॥ तथया यनीमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ ४ ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ ५ ॥ यनी
नला कपनी ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ ५ ॥
हाद वृक्षा थमठा जगता गमल रथ नाडा ॥ ६ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ ६ ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ ७ ॥ यनी
कलमल ॥ वात्र नया ॥ हाद वृक्षा ॥ ७ ॥ हाद
लगा मठा माशुला ॥ यथा तनिलाल ॥ श्रीर वनयाडा
ग्रामालं ॥ लंगम थनाडा ॥ हाद वृक्षा ॥ ८ ॥ हा
द तत जती वा कलमतमत प्यालया वानं ॥ न ॥ था
या उपमानं ॥ मत प्यालया वानन ॥ हाद वृक्षा ॥ ८ ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ ९ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ ९ ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ १० ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ १० ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ ११ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ ११ ॥

॥ गावः ॥ काडा गावा
रीमथनः विडा वरुह नदानं ॥ हा हाद क रम
स वाथ हल थयल ॥ १२ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ १२ ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ १३ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ १३ ॥
हाद वृक्षा शिमा रंगलानं का वा कप नाडा ॥ १४ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ १४ ॥

ना कलं ॥ कलमरुत पीडा ॥ काडा गा
वा ॥ १५ ॥ यनी
नला कपनि ॥ था था कपमानं ॥ हाद वृक्षा ॥ १५ ॥

ना कनं ॥ कलमरुतयी जगत् ॥ काशीरा
 राशीरी मध्यतं ॥ २ ॥ व्यदगं स्यात्तनः क्वाय
 ग्वक्रयात्तथी कनंमगः मदतयाडी ॥ दयक्कर
 गठमनं धनसतयाडीमनः नयाथमडनथधवा
 नं ॥ काशीराजा ॥ ३ ॥ हाहादतपदनंभायामद
 दयाडीकूयायडीनं थथी ननीस्थजहमगः ॥ दयी
 वयातिनंजनधनष्यममदमाडी ॥ ननकडीशन
 थकनंम ॥ काशीराजा ॥ ४ ॥ हाहादपनंतन
 व्यस्यजीनंजीर्यालाप्यश्याजीनंरुयाथत्राश्या
 शहृगीनं ॥ वनिजालजंमगरुमतपश्वयमन
 ॥ मरुडाहृकनमायाक्वन ॥ काशीराजा ॥ ५ ॥
 हाहादयथ्यानाश्वरीनंः मकलयाडीतथ
 निलगावडाद्याडीथहृजिन्म ॥ नगाहीरुहीना
 डानाडातनिललथनन ॥ गयनगयनाथशर
 न ॥ काशीराजा ॥ ६ ॥ हाहादयकी म्वायथजं
 मः कडगावितलपाकीकीइयासलिलराहीनं ॥
 हतनकूश्यावानंः इवालवमदयाडीः थशगगम
 इडावितानं ॥ काशीराजा ॥ ७ ॥ हाहादरुडात
 मंगमननः इरुक्रतपालीमध्यतथशगगमदडा
 हविनातं ॥ हाहाकक्रयात्तनमनः निरुयकीनकी
 चनंनं ॥ व्यनकूपागरीपडधन ॥ काशीराजा ॥ ८ ॥
 ॥ २ हादतमास्कातयायडीनंशतगतीमाइ ॥
 नतनथसकाशय ॥ गयकाडाविडात ॥ हादकी
 क्रीवमतीषक्वायडातगतीमाइ ॥ हादमाहृननंताक
 प्यथतितीक्वास्यडीश्या ॥ मूखजातीडीश्याडी ॥
 मषुथगंक्वलन ॥ हादकीक ॥ २ ॥ हादवाल
 षगमामनवीवनयकी न्वाथडीहात ॥ वालंवा
 लंहाथन्वाथ ॥ ग्मानिडीमश्यात ॥ हादविक
 ॥ ३ ॥ हादगीनडातनाहलचीतायागमालनि

वसेननमशेकन

ॐ नमः ॥ गीतिका लीपावममना ॥ श्रीतलनिडा डन
 ॥ हादविक्र ॥ ४ ॥ उपलडा डनधकाअपाअमसा
 लनिडा ना ॥ उपका पाअमडलानाडा ॥ उपलनीम
 नम ॥ हादविक्र ॥ ३ ॥ हादनाहातीनः शस्यशस्य
 जवलीनवाय ॥ तनीकी की नायमअ जवलयध
 थन ॥ हादविक्र ॥ ३ ॥ हादयकामनयका ज
 षठायकाअविडा ॥ ययाययययका जय ॥ गाय
 काअविडा ॥ हादविक्र ॥ ७ ॥ ॥ रागवसंत ॥
 हाद न्यताअविडावी नानः ॥ अथन्ययनान ॥ हाद
 हादका नाशमथनगागहनं श्रीतलराग ॥ ग्यवि ॥
 नममनकाडाअनगागमकनः इलयपठरिपू
 स्यना ॥ हादन्यन ॥ १ ॥ हादडागयागहनरूपगथ
 मलमनन्यजीनः डापूरषअंधतिन ॥ गनडानालाय
 दनडाडा ॥ हादन्यन ॥ २ ॥ हादराडातगावयिअन
 माहलपाशयिडाअन ॥ कलहनमिषाकठयन ॥
 मूरहनकी नाचंचलवीणमनयाडी ना ॥ हादन्यना ॥ ३
 ॥ हादरागतगनामदनः मूरमइकि हीवीनान ॥ हाक
 क्रयविनतीषन ॥ नृगलनगमनपावाहनना ॥ हा
 दन्यनडाविडाविनानं गथन्यनयनान ॥ ४ ॥ हा
 दविनहयातीमी श्रीनडालीलगा नाडाअन ॥ ताल
 ताडातयमयन ॥ तीनीजनयाताइरनविनथनं रु
 हयीनां ॥ हादनांअविडावीनान ॥ ५ ॥ ॥

३ नशाधि

३ नशाधि

२ रागवसंतः तालति ॥ हं हं माधव वियमयनृग
 लयाधालः पितृतीः तयमाल ॥ डालगामएकद
 याः वनमातानं कायाडाः मथरागविआकहता
 या ॥ कंठानियातंगजाडाः डिअताडनः तयक
 क्रयाः मदतलापुत्रीकेमायाः पीततीः तयमाल ॥
 १ ॥ वनरहिलीयाः कथनकडाअवायाः लंलयम
 ननमरुया ॥ वरुनियाडालननाः रुपाथन्यना
 शयाः कायपुरसिडं हमतया ॥ २ ॥ वकडाडा
 रडरनः डालडडकोकीलयाः थथीनवलडाः
 डीडावाया ॥ ननाथनहास्यहयालिरशलवडां
 तयाः

शा३

लाडा ॥ ॥ ताल ॥ कडकिनन्यडापूरः डि
 लाडा ॥ ॥ ताल ॥ कडकिनन्यडापूरः डि

लाग ॥ ॥ ताल ॥ कड कि न न्य ड प्र हः कि
 बलि वि धून ॥ ७ ॥ लाय जा र म या म ष र ति
 क क म या प्र हः म त्प च्चि न कि डाय ॥ १॥ ग
 थ ~~ह~~ स ह या य प्र हः च्चि बलि वि धून ॥
 बल च्चि जा र म य म दः च्चि ष्वा ल ड श न प्र ह ॥ २ ॥
 ॥ ड न या जि ड यि नि थः च्चि न कि वा ना ड ॥
 च ल ति जा र ड ड वे ने श म म र्ग क ल प्र ह ॥ ३ ॥
 ॥ च्चु को ज क म त्प प्र हः या ड जि ड क ल ॥ ज न
 म क ड नि न थः ज न म या ड ड ल प्र ह ॥ ४ ॥
 ए ग ल हा लि ड न्य न म न श ड ता प ॥ ५ ॥ न क
 म् च्चि व च न म न श ड ता श प्र ह ॥ ६ ॥ त म म
 ति म त्प प्र हः या ड जि ड क ल ॥ थ ड व श श
 च च्चि म ड ड म् च्चु मि ज न प्र ह ॥ ७ ॥ द गं द
 श ल या ड हि म न हि न श ल ॥ थ लि र्ध दा म
 द य कै त यि ड ग व न प्र ह ॥ ८ ॥ न यि म्प ना
 ड ड ड ति च्चि ष्वा ल या त्प ज ॥ त ल नि श म ड
 ला ग द षि ड म् र व ल प्र ह ॥ ९ ॥ थ भि न क
 ल स म ड ति पू र ष या ला ग ॥ द षि न न र ड
 ड ड रः श न जि तः ला ग प्र ह ॥ १० ॥ धं दान
 जि ष्वा य ल स षि न जि ग न ॥ न य ति य म
 न म ड च्चि न जि ड ना ड प्र ह ॥ ११ ॥ प ल ति
 लिया व सा श ल न पा दि ल ॥ रु वि त क
 म ल ल पू र ड ड ड नि ला ज प्र ह ॥ १२ ॥ व
 न स जि ड ना थ थ ड र जि ड ना ॥ र सी ड
 जि नि श य धून म त्प ना थ ड प्र ह ॥ १३ ॥

ॐ

लेखी मयानिका नाम ललितपुर वरुण वाहाल वल्लेरा मयान
उमा पूरिती नाम मयान का वाहाल वल्लेरा हरि सुंदर
उमा ५

Where are you going?
I am

242 (5) 13

12/11/11 1944

[illegible]

1850-1851

1001

1012 1514

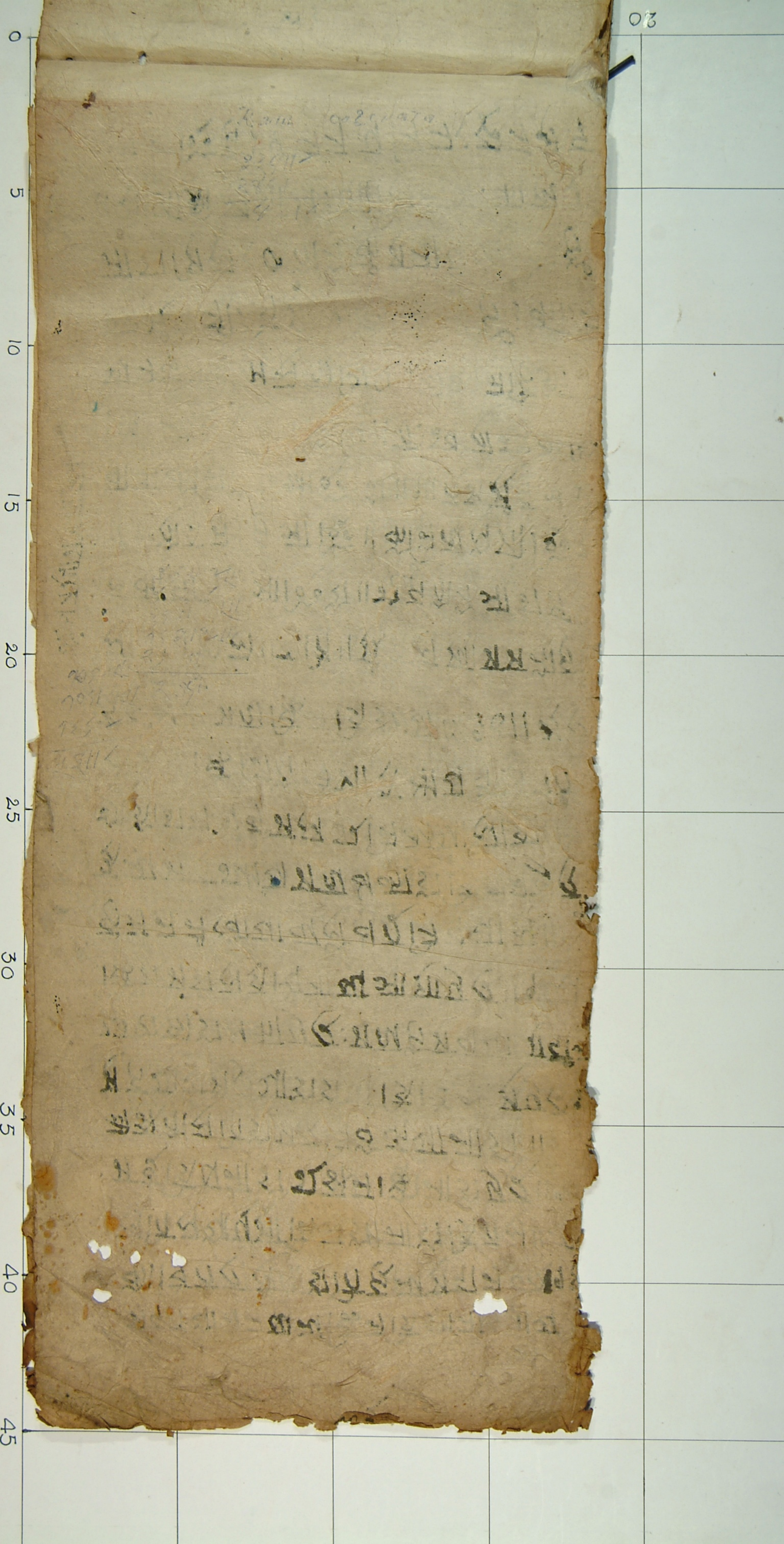
27. 11. 1951

25112

203514 261121

1908

21 1921 27 12 13 14 15



ला ॥ ता ल ॥ ज ति ॥ ह्रीं द ल स्था प्र प्र ना ह
 ल का हा तू प्र भा ङ्गि ये ॥ गृ ह ता ने आ ग प्र
 पं थ लो ज न हि आ ङ्गि ॥ क नि त्प ल प्र भा ङ्गि र
 वा वा क नि प्र प थ ा ङ्गि ये ॥ १ ॥ तू म र्द ल वे
 पि हि द य न ला ङ्गि ये ॥ रा ङ्ग ल ङ्ग रा ङ्गि
 म्म प्र न न दू म ल जा यि ये ॥ रा ङ्ग न हि जा
 र व र्द नीः ज सा अ कि ला ल ह्रींः का ति
 ना ग रि ल २ ० ता ने कं श न्य प थ ा ङ्गि ह्रीं
 ॥ २ ॥ जा ङ्ग रा ङ्गः का लि ना गः का ल प
 न्च ा ङ्गि ह्रींः ए नि न य नि न र दू न स ह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२ तां गव्याद्या ॥ तालद्रुती ॥ तथैव विनानं २ मद्रुती तालाद्या ॥
॥ कस्य कलशात्पिनं ॥

नमस्तोगे

2115.311

[illegible]

0
5
10
15
20
25
30
35
40
45

20
15
10
5
0

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in horizontal lines across the page. The paper is aged and shows signs of wear, including several large holes and stains. The script is written in a traditional style, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is organized into several paragraphs, with some lines starting with a small symbol or character. The overall appearance is that of an ancient or historical document.